औरत की नमाज़ का तरीका

01 सुन्नत दो रकआत फज्र नमाज का तरीका

नमाज की नियत करें

बाजू किब्ला रुख करके जिस नमाज का वक्त हो उस वक्त की नमाज की नियत करें जैसे फज्र, जोहर, असर, मगरिब, ईशा



नियत करें तरीका

नियत की मैंने दो रकअत नमाज फज्र की, सुन्नत रसूल पाक की वास्ते अल्लाह तआला के मुंह मेरा कआबा शरीफ की तरफ "अल्लाहु अकबर"

अल्लाह हु अकबर बोलते समय हाथ को कंधे तक उठाना होता है पेज 2 पर हाथ उठाने का तरीका

औरत की नमाज़ का तरीका

2 सुन्नत दो रकआत फज्र नमाज का तरीका



तकबीर

"अल्लाह हु अकबर" कहे~ कहते समय दोनो हाथ कंधो तक उठाइए ऐसे की हाथ चादर से न निकले और हाथो की उंगलियां मिली हुई न हो और ज्यादा फैली भी ना हो साथ ही हथेली को किबला रुख रखें

औरत की नमाज़ का तरीका

3 सुन्नत दो रकआत फज्र नमाज का तरीका



कियाम

दाहिना हथेली, बाएं हथेली पर होना चाहिए और हाथो को सीने पर छाती के नीचे रखे साथ ही नजरों को सजदा की जगह रखें उसके बाद

पहले सना पढ़े, फिर तअव्वुज तस्मीया पढ़े, फिर सूरह इखलास पढ़े

आगे पेज 4 पर सभी सूरह लिखा हुआ है सूरह पढ़ने के बाद सीधे रुकूअ में चले जाना है

औरत की नमाज़ का तरीका

4 सुन्नत दो रकआत फज्र नमाज का तरीका



सूरह

सना हिंदी में

सुबहा-न-कल्लाहम्म व् बि हम्दी- क व तबा-र-कस्मु-क
व् तआला जद्दु-क व् ला इला-ह-गेरू-क

तअव्वुज तस्मिया

अऊजु बिल्लाह मिनश-शैतानीर-रजीम
बिस्मिल्लाहिर्रहूमानीर्रहीम

पेज 5 पर पढ़े सूरह फातिहा, सूरह इखलास

औरत की नमाज़ का तरीका

5 सुन्नत दो रकआत फज्र नमाज का तरीका



सूरह फातिहा और इखलास

सूरह फातिहा

अलहम्दु लिल्लाहि रब्बिल आलमीन. अर्रहमान निर्रहीम. मालिकी यौमेद्दीन. इय्याका नाबुदु व इय्याका नस्तईन. इहदिनस सिरातल मुस्तकीम. सिरातल लजिना अन अमता अलैहिम गैरिल मग्ज़ुबी अलैहिम वलज्जाल्लीन"- आमीन

सूरह इखलास

कुलहु अल्लाहु अहद. अल्लाहु समद. लम यलिद वलम युअलद. वलम या कुल्लहू कुफुअन अहद।

औरत की नमाज़ का तरीका

6 सुन्नत दो रकआत फज्र नमाज का तरीका



अल्लाह हु अकबर कहते हुए अब रुकू में जाए

रूकुअ में इतना ही झुके कि दोनो हाथ घुटनों पर रख दें, जोर न दें और हाथो की उंगलियां मिली हुई रखे और नजर कदमों पर रहे फिर तस्बीह 3 मर्तबा पढ़े

तस्बीह

सुबहा-न-रब्बियल अजीम

3 मर्तबा/5 मर्तबा/7मर्तबा पढ़ा जा सकता है

औरत की नमाज़ का तरीका

7 सुन्नत दो रकआत फज्र नमाज का तरीका



अब सीधे खड़े होना है
और पढ़े

"समिअल्लाहु लीमन् हमिदह रब्बानलकलहम्द" कहते हुए सीधे खड़े हो जाएं



अब "अल्लाहु अकबर" कहते हुए सीधे सजदे में चले जाएं और पढ़े

सुब्हाना रब्बीयल आला

3/5/7 मर्तबा पढ़ा जा सकता है

औरत की नमाज़ का तरीका

8 सुन्नत दो रकआत फज्र नमाज का तरीका



फिर "अल्लाहु अकबर" कहते हुए बैठ (जल्सा) जाइए



पहले सज्दे की तरह दूसरा सज्दे में "अल्लाहु अकबर" कहते हुए चले जाएं फिर सज्दे में पहले ही की तरह 3 मर्तबा "सुब्हाना रब्बीयल आला" पढ़े

एक रकआत नमाज मुकम्मल हो चुका है इसके बाद सीधे खड़ा हो जाना है दूसरी रकआत नमाज मुकम्मल करने के लिए

औरत की नमाज़ का तरीका

9 सुन्नत दो रकआत फज्र नमाज का तरीका



सूरह फातिहा पढ़े अब, सूरह फातिहा पहले ही पेज 5 पर लिखा गया है



सूरह कौसर पढ़े अब या जो सूरह याद हो वह पढ़े

सूरह कौसर

इन्ना आतैना कल कौसर फसल्ली लिरब्बिका

वनहर इन्ना शानियाका हुवल अब्तर

औरत की नमाज़ का तरीका

10 सुन्नत दो रकआत फज्र नमाज का तरीका



अब "अल्लाहु अकबर कहते हुए रूकूअ में चले जाएं और 3 मर्तबा तस्बीह पढ़े



सुबहा-न-रब्बियल अजीम

3 मर्तबा पढ़े



"समिअल्लाहु लीमन् हमिदह रब्बाना लकलहम्द" कहते हुए अब खड़े हो जाए अब

औरत की नमाज़ का तरीका

11 सुन्नत दो रकआत फज्र नमाज का तरीका



अब "अल्लाहु अकबर कहते हुए सजदे में चले जाएं और 3 बार तस्वीह पढ़े



सुबहा-न-रब्बियल आला

3 मर्तबा पढ़े



अब "अल्लाहु अकबर कहते हुए बैठ (जल्सा) जाएं

औरत की नमाज़ का तरीका

12 सुन्नत दो रकआत फज्र नमाज का तरीका



अब "अल्लाहु अकबर कहते हुए दूसरे सजदे में चले जाएं और 3 बार फिर तस्वीह पढ़े



सुबहा-न-रब्बियल आला

3 मर्तबा पढ़े



अब "अल्लाहु अकबर कहते हुए बैठ (काऐदह) जाएं और अब "अत तहिय्यातु" पढ़े

औरत की नमाज़ का तरीका

13 सुन्नत दो रकआत फज्र नमाज का तरीका



अत्तहिय्यातु हिंदी में

अत्तहिय्यातु लिल्लाहि वस्सलवातु वत्तैय्यिबातु, अस्सलामु अलैक अय्युहन्नबिय्यु व रहमतुल्लाहि व बरकातुहु, अस्सलामु अलैना व अला इबादिल्लाहिस्सालिहीन, अश्हदु अल्लाइलाह इल्लल्लाहु व अन्न मुहम्मदन अब्दुहु व रसूलुहु।



अब दुरुद शरीफ पढ़े

अल्लाहुम्मा सल्लिअला मुहम्मदिव वा आला आलि मुहम्मदिन कमासल्लैता आला इब्राहीमा वा आला आलि इब्राहीमा इन्नाका हमीदुम मजीद अल्लाहुम्मा बारिक आला मुहम्मदिव वा आला आलि मुहम्मदिन कमाबारकता आला इब्राहीमा वा आला आलि इब्राहीमा इन्नाका हमीदुम मजीद



दुआए मसुरा पढ़े

अल्लाहुम्मा इन्नी ज़लमतू नफ़्सी ज़ुलमन कसीरा, वला यग़फिरुज़-ज़ुनूबा इल्ला अनता, फग़फिरली मग़ फि-र-तम्मिन 'इनदिका, वर 'हमनी इन्नका अनतल ग़फ़ूरूर रहीम

औरत की नमाज़ का तरीका

14 सुन्नत दो रकआत फज्र नमाज का तरीका



अगर दुआएं मसूरा न याद हो तो नीचे दी गई सुरह भी पढ़ सकते है लेकिन याद करले जितना जल्दी हो सके

रब्बना आतिना फ़िद्दुनिया हसनतउ व फिल आख़िरति हसनतउ वक़ीना अजाबन्नार



सलाम फेर लीजिए अब

पहले दाएं फेरे और पढ़े

अस्सलामु अलैकुम वा रहमतुल्ला

फिर बाएं सलाम फेरे

अस्सलामु अलैकुम वा रहमतुल्ला

औरत की नमाज़ का तरीका

15 सुन्नत दो रकआत फज्र नमाज का तरीका

इस तरह से आपने दो रकात नमाज सुन्नत मुकम्मल कर लिया है अब आगे जाने नमाज के बाद की दुआं

सलाम फेरने के बाद की दुआं

अल्लाहुम्मा अन्तास्सलाम व मिनकस्सलाम तबारकता या जल जलाली वल इकराम

फातिमा तस्बीह

33 मर्तबा “सुबहान अल्लाह, 33 मर्तबा “अलहम्दु लिल्लाह और 34 मर्तबा “अल्लाहु अकबर पढ़ें

औरत की नमाज़ का तरीका

16 सुन्नत दो रकआत फज्र नमाज का तरीका

दुआ पढ़े

ला इलाहा इल्लल्लाहु वहदाहु ला शरीका लहू, लाहुल मुल्कु, वा लाहुल 'हम्दू, वहुवा आला कुल्ली शाय-इन कदीर । अलहम्दुलिल्लाह व सुब्हानल्लाही, वाला इलाहा इल्लल्लाहु वालाहू अकबर, वाला 'हवला वाला कुव्वता इल्ला बिल्ला ।

अब आपको जो भी दुआए याद हो पढ़ लीजिए । जैसेः आयतल कुर्सी या अन्य

औरत की नमाज़ का तरीका

18 सुन्नत दो रकआत फज्र नमाज का तरीका

आयतल कुर्सी हिंदी में

अल्लाहु ला इलाहा इल्लाहू अल हय्युल कय्यूम ला तअ'खुजुहू सिनतुव वला नौम लहू मा फिस सामावाति वमा फ़िल अर्ज़ मन ज़ल लज़ी यश फ़ऊ इन्दहू इल्ला बि इजनिह यअलमु मा बैना अयदी हिम वमा खल्फहुम वला युहीतूना बिशय इम मिन इल्मिही इल्ला बिमा शा... अ वसिअ कुरसिय्यु हुस समावति वल अर्ज़ वला यऊ दुहू हिफ्ज़ुहुमा वहुव अलिय्युल अज़ीम

अल्लाह पाक से मगफिरत कीजिए और दुआ से फारिग होकर मुंह पर हाथ फेर लीजिए। 2 रकात नमाज मुकम्मल हुआ

2 रकआत नमाज मुकम्मल हुआ जिस वक्त की नमाज की नियत करके इस तरह से दो रकात नमाज पढ़ेंगे उस वक्त की दो रकात फर्ज/सुन्नत/नमाज मुकम्मल होगी नमाज इमेज बनाने में हमारी मेहनत तो लगी है लेकिन डर इस बात का होता है कही कुछ छूट न जाए अगर ऐसा कही कुछ हुआ है तो आप हमारी वेबसाईट से हमे संपर्क कर सकते है त्रुटि सुधार का मैसेज भेज सकते है - Dua Me Yaad Rakhe अल्लाह पाक टूटी फूटी गलतियों को मांग करें - आमीन